प्रो. रामदेव मिश्रा
(पारिस्थितिकी के जनक)

भा.वा.अ.शि.प.–पारिस्थितिक पुनर्स्थापन केन्द्र, प्रयागराज

प्रो. रामदेव मिश्रा मेमोरियल व्याख्यानमाला श्रृंखला का आयोजन

30 मार्च 2026

भा.वा.अ.शि.प.– पारिस्थितिक पुनर्स्थापन केन्द्र, प्रयागराज द्वारा प्रो. रामदेव मिश्रा मेमोरियल व्याख्यानमाला का आयोजन किया गया। व्याख्यानमाला का शुभारम्भ भारतीय पारिस्थितिकी के जनक प्रो. रामदेव मिश्रा के चित्र पर पुष्प अर्पित करते हुए दीप प्रज्जवलन के साथ किया गया। केन्द्र प्रमुख डॉ. संजय सिंह द्वारा मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित डॉ. शमीम अख्तर अंसारी, सेवानिवृत्त वैज्ञानिक एवं पूर्व निदेशक, वन उत्पादकता संस्थान, रांची एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में डॉ. विनय रंजन, निदेशक, बी एस आई, प्रयागराज तथा संतोष शुक्ला, अधिशासी सचिव, नासी, प्रयागराज का अभिनन्दन करते हुए उद्बोधन प्रस्तुत किया गया। डॉ. सिंह ने कहा कि प्रो. आर. मिश्रा मेमोरियल व्याख्यानमाला एक महत्वपूर्ण शैक्षणिक पहल है, जिसका उद्देश्य ज्ञान के विभिन्न क्षेत्रों में विशेषतः पर्यावरणीय तथा पारिस्थितिक विषयों पर विचार–विमर्श को बढ़ावा देना है। इसके अंतर्गत देश–विदेश के प्रख्यात विद्वानों, शिक्षाविदों और विशेषज्ञों को आमंत्रित किया जाता है, जो अपने अनुभव और शोध के आधार पर महत्वपूर्ण मुद्दों पर प्रकाश डालते हैं। यह कार्यक्रम छात्रों और शोधार्थियों के लिए ज्ञानवर्धक होता है, तथा शिक्षकों और आम जनमानस को भी नई दृष्टि प्रदान करता है। प्रो. आर. मिश्रा के नाम पर आयोजित यह व्याख्यानमाला उनके शैक्षणिक योगदान और विचारधारा को सम्मानित करने का एक प्रयास है। यह पहल शिक्षा के क्षेत्र में संवाद और नवाचार को सशक्त बनाने की दिशा में एक सराहनीय कदम है।केन्द्र की वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं कार्यक्रम समन्वयक डॉ. अनुभा श्रीवास्तव ने प्रो. आर. मिश्रा मेमोरियल व्याख्यानमाला श्रृंखला पर विस्तृत प्रकाश डालते हुए बताया कि केन्द्र द्वारा वर्ष 2020 से निरंतर इस कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। केन्द्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक आलोक यादव द्वारा प्रो. आर. मिश्रा के शोध कार्य, अनुभव तथा जीवन वृत्त को प्रस्तुत किया गया। केन्द्र की वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. कुमुद दूबे द्वारा उपस्थित मुख्य वक्ता का परिचय प्रस्तुत किया गया। व्याख्यानमाला के मुख्य वक्ता डॉ. अंसारी ने ''युद्ध, पर्यावरण एवं पारिस्थितिकी विनाश'' विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत किया। उन्होंने कहा कि युद्ध मानवीय त्रासदी तक सीमित नहीं है, तथा यह पर्यावरण और पारिस्थितिकी तंत्र के लिए भी गंभीर खतरा बनता जा रहा है। आधुनिक युद्धों में प्रयुक्त रासायनिक हथियार, विस्फोटक और भारी सैन्य गतिविधियाँ वायु, जल और मिट्टी को प्रदूषित कर रही हैं। इससे जैव विविधता पर गहरा प्रभाव पड़ता है और अनेक प्रजातियाँ विलुप्ति के कगार पर पहुँच जाती हैं। इस गंभीर स्थिति के नियंत्रण हेतु अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर सख्त नीतियों और समझौतों की आवश्यकता है। पर्यावरण संरक्षण को युद्ध रणनीतियों का अनिवार्य हिस्सा बनाया जाना चाहिए, जिससे भविष्य में होने वाले नुकसान को कम किया जा सके। शांति और स्थिरता ही पर्यावरण संरक्षण का सबसे प्रभावी मार्ग है।व्याख्यानमाला श्रृंखला में उपस्थित प्रतिभागियों द्वारा वैज्ञानिकों से संवाद स्थापित किया गया। व्याख्यानमाला के अन्त में केन्द्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक आलोक यादव द्वारा धन्यवाद ज्ञापित किया गया। कार्यक्रम में डॉ. पंकज श्रीवास्तव, असि. प्रोफेसर, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, प्रयागराज के साथ बी.एस.आई. प्रयागराज के वरिष्ठ वैज्ञानिकों यथा डॉ. संजय मिश्रा, डॉ. भीमलिंगप्पा, डॉ. सी. मुरुगन, डॉ. मुत्थू कुमार तथा डॉ. नीलिमा आदि द्वारा कार्यक्रम विषय पर अपने अनुभव साझा किए गए। कार्यक्रम का सफल संचालन केन्द्र की वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. अनुभा श्रीवास्तव द्वारा किया गया। कार्यक्रम में केन्द्र के विभिन्न अधिकारी एवं कर्मचारी आदि के साथ विभिन्न शोध छात्र एवं अन्य 50 से अधिक प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया।

PROF. R. MISRA MEMORIAL LECTURE-2026

A TRIBUTE TO
FATHER OF INDIAN ECOLOGY

7th of the "Prof R Misra Lecture Series" initiated in 2020

Speaker

DR. SHAMIM AKHTAR ANSARI

WAR, ENVIRONMENT AND ECOCIDE

Date: 30 March 2026 | Time : 3:00PM

Venue: Saraswati Hall, ICFRE-ERC, Prayagraj

ICFRE-ECO REHABILITATION CENTRE

3/1, Lajpat Rai Road, New Katra, Prayagraj -211002

भा.वा.अ.शि.प.-पारिस्थितिक पुनर्स्थापन केन्द्र
प्रयागराज
PROF. R. MISRA MEMORIAL LECTURE
War, Environment and Ecocide
DR. SHAMIM AKHTAR ANSARI
Date : 30.03.2026 Time : 03.00pm
ICFRE-ECO REHABILITATION CENTRE
3/1, Lajpat Rai Road, New Katra, Prayagraj -211002

भा.वा.अ.शि.प.-पारिस्थितिक पुनर्स्थापन केन्द्र
प्रयागराज
PROF. R. MISRA MEMORIAL LECTURE
War, Environment and Ecocide
DR. SHAMIM AKHTAR ANSARI
Date : 30.03.2026 Time : 03.00pm
ICFRE-ECO REHABILITATION CENTRE
3/1, Lajpat Rai Road, New Katra, Prayagraj -211002

भा.वा.अ.शि.प.-पारिस्थितिक पुनर्स्थापन केन्द्र
प्रयागराज

भा.वा.अ.शि.प.-पारिस्थितिक पुनर्स्थापन केन्द्र
प्रयागराज
PROF. R. MISRA MEMORIAL LECTURE
War, Environment and Ecocide
DR. SHAMIM AKHTAR ANSARI
Date : 30.03.2026 Time : 03.00pm
ICFRE-ECO REHABILITATION CENTRE
3/1, Lajpat Rai Road, New Katra, Prayagraj -211002

भा.वा.अ.शि.प.-पारिस्थितिक पुनर्स्थापन केन्द्र
प्रयागराज
PROF. R. MISRA MEMORIAL LECTURE
War, Environment and Ecocide
DR. SHAMIM AKHTAR ANSARI
Date : 30.03.2026 Time : 03.00pm
ICFRE-ECO REHABILITATION CENTRE
3/1, Lajpat Rai Road, New Katra, Prayagraj -211002

PROF. R. MISRA MEMORIAL LECTURE
War, Environment and Ecocide
DR. SHAMIM AKHTAR ANSARI
Date : 30.03.2026 Time : 03.00pm
ICFRE-ECO REHABILITATION CENTRE
3/1, Lajpat Rai Road, New Katra, Prayagraj -211002
SANJAY SINGH
SHAMIM AKHTAR ANSARI

-पारिस्थितिक पुनर्स्थापन केन्द्र
प्रयागराज
ing Area, Suffield, Alberta, Canada

पुनर्स्थापन केन्द्र
भा0वा0अ0शि0प0
रिस्थितिक पुनर्स्थापन
प्रयागराज

भा.वा.अ.शि.प.-पारिस्थितिक पुनर्स्थापन केन्द्र
प्रयागराज

PROF. R. MISRA MEMORIAL LECTURE

PROF. R. MISRA MEMORIAL LECTURE
War, Environment and Ecocide
DR. SHAMIM AKHTAR ANSARI
Date : 30.03.2026 Time : 03.00pm
ICFRE-ECO REHABILITATIO
Rai Road, New Katra, Prayagraj

शांति और स्थिरता ही पर्यावरण संरक्षण का सबसे प्रभावी मार्गः डॉ अंसारी

प्रयागराज,(हि.स.)। भा.वा.अ.शि.प.-पारिस्थितिक पुनर्स्थापन केन्द्र प्रयागराज द्वारा सोमवार को प्रो. रामदेव मिश्रा मेमोरियल व्याख्यानमाला का आयोजन किया गया। जिसका शुभारम्भ भारतीय पारिस्थितिकी के जनक प्रो. रामदेव मिश्रा के चित्र पर पुष्प अर्पित करते हुए दीप प्रज्ज्वलन के साथ किया गया। इस अवसर पर मुख्य वक्ता सेवानिवृत्त वैज्ञानिक एवं पूर्व निदेशक, वन उत्पादकता संस्थान रांची के डॉ. शमीम अख्तर अंसारी ने 'युद्ध, पर्यावरण एवं पारिस्थितिकी विनाश' विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत किया। उन्होंने कहा कि युद्ध केवल मानवीय त्रासदी तक सीमित नहीं है, बल्कि यह पर्यावरण और पारिस्थितिकी तंत्र के लिए भी गंभीर खतरा बनता जा रहा है। आधुनिक युद्धों में प्रयुक्त रासायनिक हथियार, विस्फोटक और भारी सैन्य गतिविधियां वायु, जल और मिट्टी को प्रदूषित कर रही हैं। इससे जैव विविधता पर गहरा प्रभाव पड़ता है और अनेक प्रजातियां विलुप्ति के कगार पर पहुंच जाती हैं। इस गंभीर स्थिति से निपटने के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सख्त नीतियों और समझौतों की आवश्यकता है। पर्यावरण संरक्षण को युद्ध रणनीतियों का अनिवार्य हिस्सा बनाया जाना चाहिए, जिससे भविष्य में होने वाले नुकसान को कम किया जा सके। शांति और स्थिरता ही पर्यावरण संरक्षण का सबसे प्रभावी मार्ग है। केन्द्र प्रमुख डॉ. संजय सिंह ने कहा कि प्रो. आर. मिश्रा मेमोरियल व्याख्यानमाला एक महत्वपूर्ण शैक्षणिक पहल है, जिसका उद्देश्य ज्ञान के विभिन्न क्षेत्रों में विशेषतः पर्यावरणीय तथा पारिस्थितिक विषयों पर विचार-विमर्श को बढ़ावा देना है। इसके अंतर्गत देश-विदेश के प्रख्यात विद्वानों, शिक्षाविदों और विशेषज्ञों को आमंत्रित किया जाता है, जो अपने अनुभव और शोध के आधार पर महत्वपूर्ण मुद्दों पर प्रकाश डालते हैं। यह कार्यक्रम न केवल छात्रों और शोधार्थियों के लिए ज्ञानवर्धक होता है, बल्कि शिक्षकों और आम जनमानस को भी नई दृष्टि प्रदान करता है। केन्द्र की वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं कार्यक्रम समन्वयक डॉ. अनुभा श्रीवास्तव ने प्रो. आर. मिश्रा मेमोरियल व्याख्यानमाला श्रृंखला पर प्रकाश डालते हुए बताया कि केन्द्र द्वारा वर्ष 2020 से निरंतर इस कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। केन्द्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक आलोक यादव ने प्रो. आर. मिश्रा के शोध कार्य, अनुभव तथा जीवन वृत्त को प्रस्तुत किया। केन्द्र की वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. कुमुद दूबे ने मुख्य वक्ता का परिचय दिया। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि डॉ. विनय रंजन, निदेशक, बी एस आई प्रयागराज तथा संतोष शुक्ला अधिशासी सचिव, नासी, प्रयागराज ने भी अपने विचार व्यक्त किये।मीडिया प्रभारी अंकुर श्रीवास्तव ने बताया कि व्याख्यानमाला में उपस्थित प्रतिभागियों ने वैज्ञानिकों से संवाद भी स्थापित किया। कार्यक्रम का संचालन केन्द्र की वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. अनुभा श्रीवास्तव ने तथा केन्द्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक आलोक यादव ने धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम में इविवि के असि. प्रोफेसर डॉ. पंकज श्रीवास्तव, बी.एस.आई के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. संजय मिश्रा, डॉ. भीमलिंगप्पा, डॉ. सी. मुरुगन, डॉ. मुत्थू कुमार तथा डॉ. नीलिमा आदि ने अपने अनुभव साझा किए। कार्यक्रम में केन्द्र के विभिन्न अधिकारी एवं कर्मचारी आदि के साथ विभिन्न शोध छात्र एवं अन्य 50 से अधिक प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया।

Prof. R. Mishra Memorial Lecture Series organized

Staff Reporter

Prayagraj: The IVA-Ecological Restoration Centre, Prayagraj, organized the Prof. Ramdev Mishra Memorial Lecture Series on March 30, 2026. The lecture series was inaugurated with the lighting of a lamp and offering flowers to the portrait of Prof. Ramdev Mishra, the father of Indian ecology. Dr. Sanjay Singh, Head of the Centre, delivered his address, welcoming the keynote speaker, Dr. Shamim Akhtar Ansari, retired scientist and former Director, Institute of Forest Productivity, Ranchi, and the distinguished guests, Dr. Vinay Ranjan, Director, BSI, Prayagraj, and Santosh Shukla, Executive Secretary, NASI, Prayagraj. Dr. Singh stated that the Prof. R. Mishra Memorial Lecture Series is an important academic initiative aimed at promoting discussion in various fields of knowledge, especially on environmental and ecological topics. Eminent scholars, academics, and experts from India and abroad are invited to address important issues based on their experience and research. This program not only provides insights for students and researchers, but also provides new perspectives for teachers and the general public. Organized in the name of Prof. R. Mishra, this lecture series honors his academic contributions and ideology. This initiative is a commendable step towards strengthening dialogue and innovation in the field of education. Dr. Anubha Srivastava, Senior Scientist and Program Coordinator of the Center, elaborated on the Prof. R. Mishra Memorial Lecture Series, stating that

the Center has been organizing this program continuously since 2020. Senior Scientist Alok Yadav presented Prof. R. Mishra's research work, experiences, and biography. Senior Scientist Dr. Kumud Dubey introduced the keynote speaker. Dr. Ansari, the keynote speaker, presented a lecture on "War, Environment, and Ecological Destruction." He emphasized that war is not limited to human tragedy, but also poses a serious threat to the environment and ecosystems. Chemical weapons, explosives, and heavy military activities used in modern warfare are polluting air, water, and soil. This has a profound impact on biodiversity, pushing many species to the brink of extinction. To address this serious situation, strict international policies and agreements are needed. Environmental protection should be made an essential part of war strategies to minimize future damage. Peace and stability are the most effective path to environmental protection. Participants in the lecture series interacted with scientists. The lecture series concluded with a vote of thanks by Alok Yadav, a senior scientist at the Centre. Dr. Pankaj Srivastava, Assistant Professor, Allahabad University, Prayagraj, along with senior scientists from BSI Prayagraj, such as Dr. Sanjay Mishra, Dr. Bhimalingappa, Dr. C. Murugan, Dr. Muthu Kumar, and Dr. Neelima, shared their experiences on the program topic. The program was successfully conducted by Dr. Anubha Srivastava, a senior scientist at the Centre. Various officers and employees of the centre along with various research students and more than 50 other participants participated in the programme.

विद्रोही सामना प्रयागराज - मंगलवार, 31 मार्च, 2026

'युद्ध, पर्यावरण एवं पारिस्थितिकी विनाश' व्याख्यानमाला का आयोजन

विद्रोही सामना संवाददाता

प्रयागराज। भा.वा.अ.शि.प.-पारिस्थितिक पुनर्स्थापन केन्द्र, प्रयागराज द्वारा प्रो. रामदेव मिश्रा मेमोरियल व्याख्यानमाला का आयोजन किया गया। व्याख्यानमाला का शुभारम्भ भारतीय पारिस्थितिकी के जनक प्रो. रामदेव मिश्रा के चित्र पर पुष्प अर्पित करते हुए दीप प्रज्जवलन के साथ किया गया। केन्द्र प्रमुख डॉ. संजय सिंह द्वारा मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित डॉ. शमीम अख्तर अंसारी, सेवानिवृत्त वैज्ञानिक एवं पूर्व निदेशक, वन उत्पादकता संस्थान, रांची एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में डॉ. विनय रंजन, निदेशक, बी एस आई, प्रयागराज तथा संतोष शुक्ला, अधिशासी सचिव, नासी, प्रयागराज का अभिनन्दन करते हुए उद्बोधन प्रस्तुत किया गया। डॉ. सिंह ने कहा कि प्रो. आर. मिश्रा मेमोरियल व्याख्यानमाला एक महत्वपूर्ण शैक्षणिक पहल है, जिसका उद्देश्य ज्ञान के विभिन्न क्षेत्रों में विशेषतः पर्यावरणीय तथा पारिस्थितिक विषयों पर विचार-विमर्श को बढ़ावा देना है। इसके अंतर्गत देश-विदेश के प्रख्यात विद्वानों, शिक्षाविदों और विशेषज्ञों को आमंत्रित किया जाता है, जो अपने अनुभव और शोध के आधार पर महत्वपूर्ण मुद्दों पर प्रकाश डालते हैं। यह कार्यक्रम न केवल छात्रों और शोधार्थियों के लिए ज्ञानवर्धक होता है, बल्कि शिक्षकों और आम जनमानस को भी नई दृष्टि प्रदान करता है। प्रो. आर. मिश्रा के नाम पर आयोजित यह व्याख्यानमाला उनके शैक्षणिक योगदान और विचारधारा को सम्मानित करने का एक प्रयास है। यह पहल शिक्षा के क्षेत्र में संवाद और नवाचार को सशक्त बनाने की दिशा में एक सराहनीय कदम है।केन्द्र की वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं कार्यक्रम समन्वयक डॉ. अनुभा श्रीवास्तव ने प्रो. आर. मिश्रा मेमोरियल व्याख्यानमाला श्रृंखला पर विस्तृत प्रकाश डालते हुए बताया कि केन्द्र द्वारा वर्ष 2020 से निरंतर इस कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा

है। केन्द्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक आलोक यादव द्वारा प्रो. आर. मिश्रा के शोध कार्य, अनुभव तथा जीवन वृत्त को प्रस्तुत किया गया। केन्द्र की वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. कुमुद दूबे द्वारा उपस्थित मुख्य वक्ता का परिचय प्रस्तुत किया गया।व्याख्यानमाला के मुख्य वक्ता डॉ. अंसारी ने 'युद्ध, पर्यावरण एवं पारिस्थितिकी विनाश' विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत किया। उन्होंने कहा कि युद्ध केवल मानवीय त्रासदी तक सीमित नहीं है, बल्कि यह पर्यावरण और पारिस्थितिकी तंत्र के लिए भी गंभीर खतरा बनता जा रहा है। आधुनिक युद्धों में प्रयुक्त रासायनिक हथियार, विस्फोटक और भारी सैन्य गतिविधियाँ वायु, जल और मिट्टी को प्रदूषित कर रही हैं। इससे जैव विविधता पर गहरा प्रभाव पड़ता है और अनेक प्रजातियाँ विलुप्ति के कगार पर पहुँच जाती हैं। इस गंभीर स्थिति से निपटने के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सख्त नीतियों और समझौतों की आवश्यकता है। पर्यावरण संरक्षण को युद्ध रणनीतियों का अनिवार्य हिस्सा बनाया जाना चाहिए, जिससे भविष्य में होने वाले नुकसान को कम किया जा सके। शांति और स्थिरता ही पर्यावरण संरक्षण का सबसे प्रभावी मार्ग है।व्याख्यानमाला श्रृंखला में उपस्थित प्रतिभागियों द्वारा वैज्ञानिकों से संवाद स्थापित किया गया। कार्यक्रम में डॉ. पंकज श्रीवास्तव, असि. प्रोफेसर, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, प्रयागराज के साथ बी.एस.आई. प्रयागराज के वरिष्ठ वैज्ञानिकों यथा डॉ. संजय मिश्रा, डॉ. भीमलिंगप्पा, डॉ. सी. मुरुगन, डॉ. मुत्थु कुमार तथा डॉ. नीलिमा आदि द्वारा कार्यक्रम विषय पर अपने अनुभव साझा किए गए।

प्रयागराज, 30 मार्च (हि.स.)। भा.वा.अ.शि.प.-पारिस्थितिक पुनर्स्थापन केन्द्र प्रयागराज द्वारा सोमवार को प्रो. रामदेव मिश्रा मेमोरियल व्याख्यानमाला का आयोजन किया गया। जिसका शुभारम्भ भारतीय पारिस्थितिकी के जनक प्रो. रामदेव मिश्रा के चित्र पर पुष्प अर्पित करते हुए दीप प्रज्ज्वलन के साथ किया गया।

इस अवसर पर मुख्य वक्ता सेवानिवृत्त वैज्ञानिक एवं पूर्व निदेशक, वन उत्पादकता संस्थान रांची के डॉ. शमीम अख्तर अंसारी ने 'युद्ध, पर्यावरण एवं पारिस्थितिकी विनाश' विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत किया। उन्होंने कहा कि युद्ध केवल मानवीय त्रासदी तक सीमित नहीं है, बल्कि यह पर्यावरण और पारिस्थितिकी तंत्र के लिए भी गंभीर खतरा बनता जा रहा है। आधुनिक युद्धों में प्रयुक्त रासायनिक हथियार, विस्फोटक और भारी सैन्य गतिविधियां वायु, जल और मिट्टी को प्रदूषित कर रही हैं। इससे जैव विविधता पर गहरा प्रभाव पड़ता है और अनेक प्रजातियां विलुप्ति के कगार पर पहुंच जाती हैं। इस गंभीर स्थिति से निपटने के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सख्त नीतियों और समझौतों की आवश्यकता है। पर्यावरण संरक्षण को युद्ध रणनीतियों का अनिवार्य हिस्सा बनाया जाना चाहिए, जिससे भविष्य में होने वाले नुकसान को कम किया जा सके। शांति और स्थिरता ही पर्यावरण संरक्षण का सबसे प्रभावी मार्ग है।